

88
18/11

तारीख
हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

हमने फगावली व प्रवृत्त जमावलीया व
जांच रिपोर्ट के अध्ययन/मनन के बाद पतीव
होता है कि ख.नं. 858, 144 कुस ख.नं. 0-88
होकर मे अखवावदार मरीया पुग पुग ही हुआ-य
एडिआ कम्प्यूटर वी गसवी के रोग एडि डुर ही
वारी का नाउ 88 RTA व स्वीकार उचिन पतिव
होता है

अता सरहदु मो जा पनोता के ख.नं.
858, 144 कुस ख.नं. 0-88 होकर कुस मराम पुग
पुराम मोगवेशी का अकेला का खावदार/कारक
साधित किया जाता है अचखावदार मे लरक पुग
मालाराम, मोहम्मद, नारायण लाल, प. वरदाराम धरुडो
प. कुशराम शाकडेनी, मम डडेनी, कुसुनी पुग
वरदाराम मोगवेशी का नाम दिया जानके उचिन
दिये जात है लरक राजसव वे कडे मे 88 ज
इव लरकदार को लरक जमीया फगावली
वारी कडर फेजल मुमार होकर साइतकमी
जाका लरक मठार जमा ली

ह
अखण्ड अधिकारी
देसूरी (पाली)